BRIEF REPORT OF 55TH CONVOCATION AND PRIZE DISTRIBUTION

The 55th Convocation and Prize Distribution Function of Dyal Singh College, Karnal was held on February 11, 2023 to award degrees to 107 graduates and post graduates. Prof. Som Nath, the Hon'ble Vice-Chancellor, Kurukshetra University, Kurukshetra was the Chief Guest on this occasion. The function was presided over by Sh D.K. Raina, President, Dyal Singh College Trust Society, Karnal. Vice Admiral Sh. Satish Soni, PVSM, AVSM, NM (Retd.), Honorary Secretary, Dyal Singh College Trust Society, Karnal and Mrs. Anita Raina, Treasurer, Dyal Singh College Trust Society, graced the occasion as Guests of Honour.

The programme began with the lighting of the lamp by the distinguished guests. It was followed by a floral welcome of the Chief Guest and the Guests of Honour by Principal Dr. Ashima Gakhar and convener of the convocation Sh. Rajpal Singh. Sh. D.K. Raina formally welcomed the Chief Guest Sh. Som Nath and mentioned about the achievements of honorable vice chancellor to motivate the students. In his presidential address, he threw light on the illustrious history of the college and said that the college is devoted to the pursuit of excellence and aims at turning the students into socially sensitive and globally competent citizens.

Principal Dr. Ashima Gakhar presented the detailed Annual Report of the college, highlighting the glorious achievements of the faculty members as well as the students. Dr. Gakhar highlighted the achievements of the students in sports and extracurricular activities as a large number of students bagged medals and trophies in their respective fields. The Principal also highlighted the achievements of the staff regarding their research work, member of academic council and member of board of U.G. studies. She also mentioned about the commendable work done by various committees in the college for the all-round development of the students. there was also a mention of great alumnus of the college in her report.

The Chief Guest Prof. Som Nath, the Hon'ble Vice Chancellor, Kurukshetra University, Kurukshetra gave away prizes to 72 students who marked academic excellence in their respective fields at the University level by securing positions in university merit list.In his convocation address Calling the Convocation Ceremony as healthy and pure tradition, he advised the

graduates and post graduates to become morally upright, socially committed, spiritually inspired and responsible citizens. He said that Dyal Singh College, Karnal is equipped with the best of faculty to support its mission teach and train the young minds into socially responsible citizens by inculcating in their minds the best of the wisdom of the east and the west. He further added that the knowledge and skills, but more importantly the moral and ethical values, that Dyal Singh College encourages to nourish the young minds. He mentioned that this college is more than a century old premier educational institute in North India to impart quality education and Trustees are stalwarts of great integrity and high caliber with great sense of responsibility and devotion. In addition to the academic pursuits, all other facilities like NCC, NSS Sports, etc. which are necessary for the all round development of students, are also available in this college. He also added that Sardar Dyal Singh Majithia, the philanthropist founder of this college has become immortalized through it. He also suggested the young generation to be able to generate employment so that they should become job providers instead of job seekers. The college has produced a large number graduates and post graduates which are serving the country on high positions. He encouraged the degree holders to move on in their lives and set a better example in the society. He emphasized on giving priority to the notion of sacrifice and spiritualism by negating the materialistic pursuits. After finding the large number of prize winners and degree holders are girls, he said that 'BetiBachao, BetiPadhao' programme in Haryana has gained momentum.

All the Under Graduates and Post Graduates present in the Convocation function were awarded degrees by the worthy Principal Dr. Ashima Gakhar. Sh. Rajpal Singh, the Convener of the Convocation proposed a formal vote of thanks. The event was jointly hosted by Dr. Ritu Sharma and Dr. Anita Aggarwal. The grace of the occasion was doubled by the presence of distinguished members of Dyal Singh College Trust Society as well as retired Principals & Professors. All the staff members were present on this occasion.

55वां दीक्षांत समारोह और पुरस्कार वितरण समारोह की संक्षिप्त रिपोर्ट

सिंह कॉलेज, करनाल का 55वां दीक्षांत समारोह और पुरस्कार वितरण समारोह 11 फरवरी, 2023 को 107 स्नातकों और स्नातकोत्तरों को डिग्री प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के माननीय उपकुलपति प्रो. सोम नाथ थे। समारोह की अध्यक्षता श्री डी.के. रैना, अध्यक्ष, दयाल सिंह कॉलेज ट्रस्ट सोसायटी ने की। वाइस एडमिरल श्री। सतीश सोनी, पीवीएसएम, एवीएसएम, एनएम (सेवानिवृत्त), मानद सचिव, दयाल सिंह कॉलेज ट्रस्ट सोसाइटी, करनाल और श्रीमती अनीता रैना, कोषाध्यक्ष, दयाल सिंह कॉलेज ट्रस्ट सोसाइटी, सम्मानित अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर की गई। इसके बाद प्राचार्य डॉ. आशिमा गाखर और दीक्षांत समारोह के संयोजक श्री. राजपाल सिंह.ने सभी अतिथियों का औपचारिक अभिनंदन और स्वागत किया श्री डी.के. रैना ने मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र के माननीय उपकुलपति प्रो. सोम नाथ का औपचारिक स्वागत किया उन्होंने अपने अध्यक्षीय भाषण में छात्रों को प्रेरित करने के लिए माननीय कुलपति की उपलब्धियों का उल्लेख किया। उन्होंने कॉलेज के शानदार इतिहास पर प्रकाश डाला और कहा कि कॉलेज उत्कृष्टता की खोज के लिए समर्पित है और इसका उद्देश्य छात्रों को सामाजिक रूप से संवेदनशील और विश्व स्तर पर सक्षम नागरिक बनाना है।

प्राचार्य डॉ. आशिमा गखर ने कॉलेज की विस्तृत वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें संकाय सदस्यों के साथ-साथ छात्रों की शानदार उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। डॉ. गाखर ने खेल और पाठ्येतर गतिविधियों में छात्रों की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला क्योंकि बड़ी संख्या में छात्रों ने अपने-अपने क्षेत्र में पदक और ट्राफियां हासिल कीं। प्राचार्य ने कर्मचारियों की उनके शोध कार्य, अकादमिक परिषद के सदस्य और यूजी बोर्ड के सदस्य की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।। उन्होंने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए महाविद्यालय में विभिन्न समितियों द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों का भी उल्लेख किया। उसकी रिपोर्ट में कॉलेज के महान पूर्व छात्रों का भी जिक्र था।

मुख्य अतिथि प्रो. सोम नाथ, माननीय कुलपति, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र ने 72 छात्रों को पुरस्कार प्रदान किए, जिन्होंने विश्वविद्यालय स्तर पर अपने-अपने क्षेत्र में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में स्थान हासिल किया। दीक्षांत समारोह को स्वस्थ और शुद्ध परंपरा के रूप में उन्होंने स्नातकों और स्नातकोत्तरों को नैतिक रूप से ईमानदार, सामाजिक रूप से प्रतिबद्ध, आध्यात्मिक रूप से प्रेरित और जिम्मेदार नागरिक बनने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि दयाल सिंह कॉलेज, करनाल अपने मिशन का समर्थन करने के लिए सर्वश्रेष्ठ फैकल्टी से लैस है और युवा दिमाग को पूर्व और पश्चिम के ज्ञान का सबसे अच्छा ज्ञान देकर सामाजिक रूप से जिम्मेदार नागरिकों में प्रशिक्षित करता है। उन्होंने आगे कहा कि ज्ञान और कौशल, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण नैतिक और नैतिक मूल्य, जो दयाल सिंह कॉलेज युवा दिमागों को पोषित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। उन्होंने उल्लेख किया कि यह कॉलेज गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए उत्तर भारत में एक सदी से अधिक पुराना प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है और ट्रस्टी जिम्मेदारी और समर्पण की भावना के साथ महान अखंडता और उच्च क्षमता के दिग्गज हैं। शैक्षणिक गतिविधियों के अलावा, अन्य सभी सुविधाएं जैसे एनसीसी, एनएसएस खेल आदि, जो छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक हैं, भी इस कॉलेज में उपलब्ध हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस कॉलेज के संस्थापक परोपकारी सरदार दयाल सिंह मजीठिया इसके माध्यम से अमर हो गए हैं। उन्होंने युवा पीढ़ी को रोजगार पैदा करने में सक्षम होने का भी सुझाव दिया ताकि वे नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने वाले बनें। कॉलेज ने बड़ी संख्या में स्नातक और स्नातकोत्तर का उत्पादन किया है जो उच्च पदों पर देश की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने डिग्री धारकों को अपने जीवन में आगे बढ़ने और समाज में एक बेहतर उदाहरण स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने भौतिकवादी खोज को नकार कर बलिदान और आध्यात्मिकता की धारणा को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। बड़ी संख्या में पुरस्कार विजेता और डिग्री धारकों में लड़कियों की संख्या देखने के बादउन्होंने कहा कि हरियाणा में 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम ने गति पकड़ी है।

दीक्षांत समारोह में उपस्थित सभी स्नातक एवं स्नातकोत्तर को प्राचार्य डॉ. आशिमा गाखर ने डिग्रियां प्रदान कीं। दीक्षांत समारोह के संयोजक श्री राजपाल सिंह ने आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम मैं मंच संचालन डॉ. रितु शर्मा और डॉ. अनीता

अग्रवाल ने संयुक्त रूप से की। दयाल सिंह कॉलेज ट्रस्ट सोसाइटी के विशिष्ट सदस्यों के साथ-साथ सेवानिवृत्त प्रचार्यों और प्रोफेसरों की उपस्थिति से इस अवसर की शोभा दोगुनी हो गई। इस अवसर पर समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।